पीएम-किसान उत्सव दिवस: एनआईसी ने वीसी और वेबकास्ट की सुविधा उपलब्ध कराई

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 5 अक्टूबर, 2024 को वाशिम, महाराष्ट्र में प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 18वीं किस्त जारी की। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम ने देश भर में 9.4 करोड़ से अधिक किसानों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से कुल 20,000 करोड़ रुपये से अधिक प्रत्यक्ष वित्तीय लाभ प्रदान किया।
इस कार्यक्रम में लगभग 2.5 करोड़ किसान वर्चुअली शामिल हुए, जिनमें देश भर के 732 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके), 1 लाख से अधिक प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों और 5 लाख सीएससी के किसान शामिल थे।

माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी, माननीय उप. मुख्यमंत्री श्री कनक वर्धन सिंह देव, माननीय उप. मुख्यमंत्री श्रीमती प्रभाती परिडा इस राज्य स्तरीय समारोह में लोक सेवा भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। राज्य के विभिन्न हिस्सों से माननीय मंत्रियों, राज्य और जिला प्रशासन और पीएम-किसान लाभार्थियों ने भी वीसी के माध्यम से इस कार्यक्रम में भाग लिया। ओड़िशा के सभी जिलों के डीआईओ ने टेस्ट रन की सुविधा प्रदान की और आयोजन का सुचारू निष्पादन सुनिश्चित किया।

माननीय मुख्यमंत्री, ओड़िशा ने DAMPS – प्राणिसंपद का शुभारंभ किया

29 अक्टूबर, 2024 को ओड़िशा के माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी ने ओड़िशा आपदा तैयारी दिवस और आपदा न्यूनीकरण राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर रवीन्द्र मंडप, भुवनेश्वर में आपदा सहायता निगरानी और भुगतान प्रणाली (डीएएमपीएस) - प्राणिसंपद का उद्घाटन किया। एनआईसी ओड़िशा राज्य केंद्र, भुवनेश्वर, डीएएमपीएस द्वारा डिजाइन और विकसित - प्राणिसम्पद एक वर्कफ्लो-आधारित, वेब-सक्षम प्लेटफ़ॉर्म है जो प्राकृतिक आपदाओं के कारण पशु हानि के लिए लाभार्थियों को सीधे अनुग्रह भुगतान की सुविधा प्रदान करता है। आईएफएमएस के साथ एकीकरण के माध्यम से, सिस्टम प्रभावित जानवर के मालिकों के बैंक खातों में वित्तीय सहायता के निर्बाध हस्तांतरण को सक्षम बनाता है।

यह वेब सक्षम प्रणाली आपदाओं में मरने वाले जानवरों (दुधारू, पशुपालक और मुर्गीपालन) पर खेतों (राजस्व मंडलों से शुरू) से प्रारंभिक जानकारी एकत्र करने के लिए है जो सक्षम प्राधिकारी को प्रशासनिक स्तर के प्रत्येक चरण पर निगरानी, सत्यापन, अनुमोदन, विश्लेषण करने और तदनुसार मदद करती है। लागू होने वाली अनुमानित वित्तीय सहायता सीधे जानवरों के मालिक के बैंक खातों में वितरित की जाती है, जिससे मृत जानवरों के प्रतिस्थापन के लिए त्वरित सहायता सुनिश्चित किया जाता है ।

राष्ट्रीय पीएम विश्वकर्मा कार्यक्रम - एनआईसी ने सुविधा उपलब्ध कराई

दिनांक 20 सितंबर, 2024 को माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने श्री विनोबा भावे और महात्मा गांधी जी के पुण्य स्थल वर्धा, महाराष्ट्र में राष्ट्रीय पीएम विश्वकर्मा कार्यक्रम को संबोधित किया। माननीय प्रधान मंत्री ने लाभार्थियों को प्रमाण पत्र और ऋण वितरित किए और कार्यक्रम की प्रथम वर्ष की प्रगति का जश्न मनाने के लिए एक स्मारक टिकट जारी किया। इस आयोजन में देश भर के कुल 500 प्रशिक्षण केंद्र (टीसी) वस्तुतः जुड़े हुए थे। ओड़िशा में 12 जिलों के 13 केंद्रों को भी भाग लेने का अवसर मिला। माननीय सांसदों, विधायकों सहित गणमान्य व्यक्तियों ने विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई और लाभार्थियों को प्रमाण पत्र और ऋण स्वीकृति पत्र सौंपे।

डीआईओ ने संबंधित जिला टीसी के साथ समन्वय किया, टेस्ट रन आयोजित किए और आयोजन का सुचारू निष्पादन सुनिश्चित किया। राज्य के कुशल कार्यबल को बढ़ाने की प्रतिबद्धता को मजबूत किया गया। उपस्थित लोगों ने पीएम विश्वकर्मा के तहत विभिन्न व्यापारों को प्रदर्शित करने वाले दुकानों का दौरा किया और कुशल कारीगरों के साथ बातचीत की।

प्रधानमंत्री जनजातीय ग्राम उन्नत अभियान का शुभारंभ

2 अक्टूबर 2024 को महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने झारखंड के हज़ारीबाग़ से "पीएम जनजातीय ग्राम उन्नत अभियान" की शुरुआत की। पहल के हिस्से के रूप में, प्रधान मंत्री ने 40 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) का भी उद्घाटन किया और देश भर में 25 नए ईएमआरएस (EMRS) की आधारशिला रखी।

देवगढ़, गजपति, कलाहांडी, केऊंझर, कोरापुट, मलकानगिरी, मयूरभंज और रायगढा सहित ओड़िशा के कई जिले इस कार्यक्रम को देखने के लिए वस्तुतः जुड़े हुए थे। माननीय सांसदों और विधायकों ने विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

कार्यक्रम का सफल निष्पादन जिला सूचना विज्ञान अधिकारियों (डीआईओ) द्वारा सुनिश्चित किया गया, जिन्होंने बीएसएनएल जैसे लाइन विभागों और सेवा प्रदाताओं के साथ समन्वय किया। उन्होंने इंटरनेट कनेक्टिविटी, ओएफसी बैंडविड्थ और आईसीटी उपकरण उपलब्धता की निगरानी की। डीआईओ ने एक परीक्षण आयोजित किया और कार्यक्रम के सुचारू निष्पादन के लिए नई दिल्ली में एनआईसी मुख्यालय और एनआईसी, भुवनेश्वर के साथ समन्वय किया।

प्रसारण

"साइबर सुरक्षा" पर ऑल इंडिया रेडियो-कटक

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर ऑल इंडिया रेडियो-पुरी

राजभाषा

जनगणना निदेशालय में हिन्दी पखवाड़ा के तहत एन. आई. सी. के योगदान

दिनांक 23.09.2024 को जनगणना निदेशालय के सम्मेलन कक्ष में एक अंतर- विभागीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें एन आई सी, भुवनेश्वर के कई अधिकारी भाग लिए। अधिकारियों ने "कृत्रिम बुद्धिमत्ता - हमारे लिए लाभदायक है" विषय के पक्ष / विपक्ष पर अपना विचार रखा। प्रतियोगिता में श्री जयंत कुमार मिश्र – वरिष्ठ निदेशक (आई टी), प्रथम, एवं श्री दीपक कुमार अमात – संयुक्त सचिव (आई टी), द्वितीय पुरस्कार पाने का सौभाग्य प्राप्त किया।

एन आई सी राजभाषा कार्यान्वयन समिति की उपाध्यक्षा श्रीमती सुजाता दास ने जनगणना निदेशालय के समापन समारोह में बतौर अतिथि शामिल हुई और विजयी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए सहज रूप से हिन्दी कार्य के लिए उपलब्ध ई-टूल्स (कंठस्थ 2.0, ऑनलाइन शब्दकोश) के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

माननीय संसदीयराजभाषा समिति द्वारा राष्ट्रीयसूचना विज्ञान केंद्र, भुवनेश्वर का राजभाषायी निरीक्षण

दिनांक 25.10.2024 को माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति द्वारा राष्ट्रीय सूचना - विज्ञान केंद्र, भुवनेश्वर में राजभाषा कार्यान्वयन प्रगति का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण बैठक में मंत्रालय से दो अधिकारी - सुश्री तूलिका पाण्डेय, वैज्ञानिक-जी एवं ग्रुप मुख्य (राजभाषा) तथा श्री जगदीश गोकलानी, संयुक्त निदेशक (राजभाषा), एनआईसी मुख्यालय से दो अधिकारी डॉ सुशील कुमार, वैज्ञानिक-जी एवं समूहाध्यक्ष (राजभाषा) एवं श्री राजेंद्र कुमार अग्रवाल, वैज्ञानिक-एफ एवं विभागाध्यक्ष (राजभाषा) तथा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, भुवनेश्वर के उप महानिदेशक एवं राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी समेत अन्य पांच अधिकारी उपस्थित थे।

निरीक्षण बैठक में लगाई गई प्रदर्शनी में हिन्दी कार्य से संबंधित सारे दस्तावेजों के साथ साथ सूचना प्रौद्योगिकी सर्विसेस को भी डिजिटली प्रदर्शित किया गया। कई परियोजनाओं के द्विभाषी ब्रोशर तथा एनआईसी ओड़िशा की मासिक हिन्दी पत्रिका 'द आसेंडर' को भी प्रदर्शनी में शामिल किया गया था।

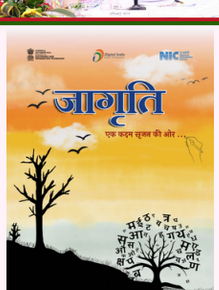

निरीक्षण में माननीय संसदीय समिति की तरफ से राजभाषा के अमल पर कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। निरीक्षण के उपरांत राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, ओड़िशा की हिंदी गृहपत्रिका 'जागृति' का माननीय समिति सदस्यों के कर कमलों से विमोचन हुआ।

प्रकाशन

पुस्तक पढ़ने के लिए QR कोड को स्कैन करें

फोटो स्टोरी

वर्चुअल कार्यक्रम 29 अक्टूबर 2024 को सम्पन्न हुआ

माननीय प्रधान मंत्री ने गोठपाटणा में केंद्रीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला (सीडीटीएल) का उद्घाटन किया, जिसमें माननीय मुख्यमंत्री, ओड़िशा भी शामिल हुए

आयुर्वेद दिवस के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री ने डीएचएच, बरगढ़ में क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल ब्लॉक समर्पित किया।

माननीय प्रधान मंत्री ने जटणी में केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान की आधारशिला रखी

शुभकामनाएं

श्री सुभाष चंद्र मिश्र, वैज्ञानिक-एफ (वरिष्ठ निदेशक (आईटी), को उनकी सेवानिवृत्ति पर हार्दिक अभिनंदन एवं सम्मान

और श्री अमरेश कुमार, एसटीए-बी, श्री प्रभात कुमार, एसटीए-बी, श्री अनुपम रॉय, एसटीए-बी, श्री मुकेश के. मंडल, एसटीए-बी, श्री अजीत कुमार, एसटीए-बी को अपने अपने राज्यों को स्थानांतरण के लिए हमारा हार्दिक अभिनंदन एवं बधाई।